>

Title: Reported shifting of NTPC Power Plant from Chitrakoot, Uttar Pradesh.

श्री आर.के.ि ंसह पटेल (बांदा): अध्यक्ष महोदया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। उत्तर प्रदेश देश का सबसे पिछड़ा प्रांत बुन्देलखंड है और बुन्देलखंड में सबसे पिछड़ा जिला चित्रकूट है। माननीय ऊर्जा मंत्री ने बरगढ़

क्षेत्र में चार हजार मेगावाट का एनटीपीसी का पावर प्लांट लगाने की घोषणा की थी।

अध्यक्ष महोदया, मैंने पिछले सत्र में नियम 377 के अन्तर्गत इस बारे में माननीय ऊर्जा मंत्री जी से अनुरोध किया था और उन्होंने जवाब दिया था कि वहां चार हजार मेगावाट का पावर प्लांट लगाया जा रहा है। उसके लिए उत्तर प्रदेश सरकार से भूमि अधिग्रहण की कार्यवाही के बारे में वार्ता जारी है। मेरी जानकारी में आया है कि उस प्लांट को मध्य प्रदेश में स्थानांतरित कर दिया गया है। उत्तर प्रदेश में उस पावर प्लांट को नहीं लगाया जा रहा है। उसी पिछड़े बरगढ़ क्षेत्र में माननीय राजीव गांधी जी ने अपने कार्यकाल में ग्लास फैक्टरी लगाने हेतु उद्घाटन किया था। उस बरगढ़ ग्लास फैक्टरी में कई करोड़ रुपये लगने के बाद भी उसमें मशीनें नहीं लगायी गयीं। वह फैक्टरी नहीं चलायी जा सकी है। उस पिछड़े क्षेत्र में जो चार हजार मेगावाट विद्युत का पावर प्लांट लगने जा रहा था, उसे उत्तर प्रदेश के चित्रकूट जिले में न लगाकर मध्यप्रदेश में कहीं ट्रंसफर कर दिया गया है, जबकि वहां पानी भी उपलब्ध है। प्रतापपुर पम्प केनाल से पानी मिलने की बात माननीय मंत्री जी ने स्वीकार की है। वहां पर रेलवे लाइन है जहां कोयला आने का साधन भी था। वहां सारे संसाधन उपलब्ध थे। वह उपजाऊ भूमि में न लगकर अनउपजाऊ भूमि में लग रहा था। लोग भूमि देने के लिए तैयार थे, लेकिन पता नहीं उस पावर प्लांट को किस कारण उत्तर प्रदेश से बाहर ट्रंसफर किया जा रहा है।

मेरी आपके माध्यम से इस सदन और माननीय ऊर्जा मंत्री जी से मांग है कि चार हजार मेगावाट का पावर प्लांट चित्रकूट जिले के बरगढ़ क्षेत्र में स्थापित किया जाये। ...(व्यवधान)

श्री दारा सिंह चौहान (घोसी): महोदया, मैं स्वयं को श्री आर.के.ि ंसह पटेल की बात से संबद्ध करते हुए कहना चाहता हूं कि पिछले तीन साल से केन्द्र सरकार उत्तर प्रदेश की उपेक्षा कर रही है।